ये अव्यक्त इशारे

अपवित्रता के बीज को भी समाप्त कर सम्पूर्ण स्वच्छ (पवित्र) बनो

24-08-2026

पवित्रता का रहस्य प्रैक्टीकल में लाना अर्थात् संकल्प रूप से भी पांचों विकारों पर विजयी बनना। व्यर्थ संकल्प क्रोध भी पैदा करता है तो काम अर्थात् किसी आत्मा के प्रति अगर व्यर्थ दृष्टि भी जाती है तो उस समय पवित्रता नहीं मानी जायेगी। तो यह व्यर्थ संकल्प बाप के प्यार के पीछे न्योछावर करो।

Finish the seed of impurity and become completely clean (pure).

To put the significance of purity into your practical life means to be victorious over all the five vices even in your thoughts. Wasteful thoughts create anger. Therefore, if there is any lustful or wasteful vision towards any soul, that is not considered to be purity. So, surrender those wasteful thoughts out of love for the Father.